RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 40 अंक 46 हल्द्वानी सम्वत् 2082 सोमवार 21 अप्रैल 2025 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

कालाढूंगी चौराह स्थित कालू सैय्यत/कालू सिद्ध बाबा मन्दिर

चौराहे में मन्दिर शिफ्टिंग के लिये तैयार होता भवन

हल्द्वानी शहर के मुख्य चौराहे की तस्वीर बदलने को है

सड़क चौड़ीकरण में नैनीताल रोड पर लगातार टोह लेता प्रशासन

जाम से तंग कालाढूंगी रोड के फुटपाथ पर कब्जा हटाना बड़ी चुनौती होगी

कार्यालय प्रतिनिधि

हल्द्वानी शहर में सड़क चौड़ीकरण समेत जिस प्रकार के बदलावा होते जा रहे हैं वह आने वाले समय में इसका पूरा हुलिया बदल होगा। नाम बदलने की परम्परा शुरू होते ही शहर की सड़क, चौराहों का नामकरण होने लगा है। और यह बड़ा सत्य है कि जब जिसके पास ताकत होती है वह नाम अपने हिसाब से करता है। हल्द्वानी जो हल्दू के जंगल से नाम पाया है और इसके आसपास मोटाहल्दू, हल्दू चौड़, काठगोदाम जैसे नाम हैं। व्यापारिक केन्द्र के रूप में मंगल पड़ाव, पैठ पड़ाव। राजपुरा धोबीघाट, बेलपोखरा जैसे नामों के अलावा पीपलटोला जिसे बाद में पटेल चौक कहा जाने लगा। मुखानी, पीलीकोठी, लामाचौड़, शीशमहल.....यानी हर नाम के पीछे कोई पकड़ रही है। (हल्द्वानी के बारे में विस्तृत जानकारी के लिये स्व. आनन्द बल्लभ उप्रेती की कृति स्मृतियों के झरोखे से पुस्तक देखें) नगर से महानगर बनते हल्द्वानी में सैकड़ों मोहल्ले पनप चुकें हैं, जिनके बारे में अधिकांश को नहीं पता है। कई गलियों का नाम अभी रखा जा रहा है और रखा जाना है।

फैलते जा रहे शहर में जो मुख्य शहर है इसके नामों पर ही लगातार बदलाव होने लगा है। जेलरोड चौराहे को विवेकानन्द चौराहा, मुखानी चौराहे को परशुराम चौराहा, मंगल पड़ाव चौराहे को अग्रसेन महाराज चौराहा के नाम पर

नाम बदलने की परम्परा में पूरा हुलिया ही बदल जाएगा

स्थापित किया गया लेकिन लोगों की जुवान पर पहले से चढ़े नामों से इनका चलन है। इस बीच मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा प्रदेशभर में नए नामकरण की शुरूआत पर हल्द्वानी की नवाबी रोड का नाम अटल मार्ग कर दिया गया। पनचक्की आईटीआई मार्ग का नाम गुरु गोवलकर मार्ग हो गया। नगर निगम के मेयर गजराज बिष्ट ने नई नामपट्टिकाओं का उद्घाटन करने साथ ही सड़कों के चौड़ीकरण, चौराहों का घेरा बढ़ाने, नमो भवन, वैंडर जोन, पालिका की दुकानों को लेकर स्पष्ट किया है कि बदलावा होगा।

प्रशासन द्वारा बरेली रोड-नैनीताल रोड पर लगातार टोह ली जा रही है कि किन-किन जगहों पर अभी तक सड़क चौड़ी नहीं हुई है। सड़क किनारे सामान बेचने वालों को तुरन्त हटाया जा रहा है और सड़क के दोनों ओर पुराने भवनों पर छेनी-हथौड़ी चलते दिखाई दे रहे हैं। शहर का सबसे चर्चित और व्यस्त कालाढूंगी चौराहे में कालू सैय्यत/कालू सिद्ध बाबा मन्दिर को शिफ्ट करने की तैयारी है। इसके लिये मन्दिर के बगल में ही नया मन्दिर सड़क से हटकर बनाया जा रहा है ताकि उसे विधि-विधान से उसमें करते हुए इस चौराहे का घेरा बड़ा कर दिया जाए। इस चौराहे का घेरा फैलते ही यातायात में काफी बदलाव दिखाई देगा। सड़क चौड़ीकरण कार्य पीलीकोठी और कुसमखेड़ा चौराहे पर भी धीमी गति से हो रहा है लेकिन कालाढूंगी चौराहे से इस मार्ग पर आते ही एकदम घिचपिच है, जिससे पैदल चलने वाले परेशान हैं। लगता है कालाढूंगी रोड के फुटपाथ पर कब्जा हटाना प्रशासन के लिये बड़ी चुनौती होगा क्योंकि इसमें पक्के निर्माण कर दिये गये हैं। जो भी हो, तीन-चार माह में बहुत जोड़-तोड़ होनी है शहर में।

नन्दा राजजात यात्रा को समन्वित कार्ययोजना के लिये सीएम को पत्र

चमोली। पर्यावरण एवं विकास केन्द्र ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से अगले वर्ष होने वाली विश्व प्रसिद्ध नन्दा राजजात यात्रा को आपदा व पर्यावरण की दृष्टि से अनुकूल बनाने के लिये समन्वित कार्ययोजना बनाकर काम करने की मांग की है।

पर्यावरणविद् चण्डीप्रसाद भट्ट ने पर्यावरण एवं विकास केन्द्र की स्थापना की थी। गोपेश्वर स्थित केन्द्र के प्रबन्ध न्यासी ओम प्रकाश भट्ट के माध्यम से सीएम को भेजे गये पत्र में कहा गया है कि जिले के गैरसैंण क्षेत्र के कांसुवा गांव से शुरू होने वाली यह यात्रा नौटी आदि गांवों से गुजरती हुई 22 दिनों में पूरी होती है और इसके अन्तिम चार पड़ाव वेदनी, गैरोलीपातल, पातर-नचौनिया, शिलासमुद्र और चन्दनियाघाट बुग्यालों और निर्जन क्षेत्रों में स्थित है। यह यात्रा 12 वर्ष में एक बार होती है। श्री भट्ट ने वर्ष 2014 में हुई पिछली राजजात यात्रा का उल्लेख करते हुए का कि गढ़वाल और कुमाऊं क्षेत्र के गांव-गांव से देवडोलियों के साथ परम्परागत रूप से शामिल होने वाले स्थानीय लोगों समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की संख्या हजारों में पहुंच गयी थी। बेदनी बुग्याल के एव छोटे से इलाके में एक ही दिन में 60 हजार से अधिक श्रद्धालु पहुंच गये थे, जिससे राज्य सरकार की ओर से की गयी व्यवस्था पूरी तरह से डगमगा गयी थी। भट्ट ने कहा कि भारी भीड़ से बेदनी का सुन्दर बुग्याल और वहां उगी वनस्पतियां नष्ट हो गई और चारों ओर प्लास्टिक व कचरे के ढेर लग गए।

जानकारी के अभाव में यात्रा में शामिल हुए तीर्थयात्रियों द्वारा संकटापन्न श्रेणी में शामिल ब्रह्मकमल समेत उच्च हिमालयी क्षेत्र में पायी जाने वाली जड़ी बूटियों का दोहन किया गया। पर्यावरणविद् ने कहा कि उच्च हिमालय के ये पहाड़ प्राकृतिक रूप से अत्यन्त सम्वेदनशील होने के साथ ही दुर्लभ वनस्पति और वन्य जीवन के साथ-साथ आपदा की दृष्टि से जोखिम भरे हैं। नन्दादेवी राजजात की यह विश्वविख्यात यात्रा आपदा की दृष्टि से सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल होनी चाहिये। इसके लिये समय रहते समन्वित कार्ययोजना बनाकर उसके अनुसार कार्य किया जाना जरूरी है।

श्री भट्ट ने कार्ययोजना के तहत अन्तिम चार पड़ावों को भारवाहन क्षमता का वैज्ञानिक आधार पर आकलन करने, परम्परागत समूहों को छोड़कर इस यात्रा में शामिल होने वाले अन्य लोगों के लिये चारधाम यात्रा की तर्ज पर पंजीकरण की व्यवस्था करने, भारवाहन क्षमता से अधिक पंजीकरण प्राप्त होने पर यात्रा की अवधि विस्तारित करने के लिये दिशानिर्देश जैसे सुझाव दिए हैं।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

कोई एक विशेष स्थान पवित्र नहीं, पूरा राज्य ही देवभूमि : हाईकोर्ट

हाईकोर्ट नैनीताल ऋषिकेश नगर निगम सीमा के समीप व सीमा से बाहर शराब के छह डिपार्टमेंटल स्टोर का नवीनीकरण निरस्त करने को चुनौती देती याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि यह विडम्बना है कि केवल एक विशेष स्थान को 'पवित्र स्थान' कहा जा रहा है, जबकि पूरा राज्य ही देवभूमि कहलाता है। प्रथम दृष्टया यह लापरवाही और सत्ता के दुरुपयोग की पराकाष्ठा है इसलिए आबकारी आयुक्त एक सप्ताह के भीतर पाँच लाख रुपये जमा करें।

कोर्ट ने आयुक्त को आदेवन के नवीनीकरण की प्रक्रिया तत्काल शुरू करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि यदि छह दुकानों को शराब बेचने की अनुमति दी जाती है तो इससे शहर की पवित्रता प्रभावित होगी लेकिन बार व रेस्टोरेंट में शराब बेचने से पवित्र शहर की पवित्रता प्रभावित नहीं होगी। इससे अधिक विरोधाभासी और विडम्बनापूर्ण कुछ नहीं हो सकता। यह मनमानी है।

वाकेई यह बात तो है कि नियम-कानून को अपने मनचाहे सुलट-उलट मानने वाले पूरी व्यवस्था को प्रभावित करते हैं। न्यायालय ने एकदम सटीक कहा कि जब सम्पूर्ण उत्तराखण्ड ही देवभूमि और पवित्र है तो स्थान विशेष को लेकर क्यों तर्क दिया जाता है। मामला शराब की दुकान को लेकर ही नहीं, अन्य मामलों में भी इस प्रकार के तर्क दिये जाते हैं। अपने स्वार्थ के लिये किसी को सही और किसी को गलत नहीं कहा जा सकता बल्कि सही को सही और गलत को गलत करना चाहिये। पद को लेकर, ठेकेदारी को लेकर, भूमि पर कब्जे को लेकर, कारोबार को लेकर, आयोजन को लेकर जिस प्रकार की दबंगाई प्रदेश में चल रही है उसमें भी न्याय होना चाहिये। किसी भी कार्य या बात को तोड़-मरोड़कर चाहे मनवा लिया जाए किन्तु सत्य की सुगन्ध को रोका नहीं जा सकता है। आओ, सब सत्य के साथ रहें।

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

वैश्विक मंचों पर सहयोग को सहमत

लिस्बन। भारत और पुर्तगाल ने संयुक्त राष्ट्र समेत अन्य वैश्विक मंचों पर सहयोग मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पुर्तगाल के राष्ट्रपति मार्सेलो रबेलो डी सूस के बीच हुई बातचीत के दौरान यह सहमति बनी।

भारत-नेपाल के सुप्रीम कोर्ट के बीच समझौता

नई दिल्ली। भारत और नेपाल के न्यायपालिकाओं के बीच आपसी सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गये। शीर्ष अदालत की ओर से कहा गया कि भारत के सुप्रीम कोर्ट ने दोनों देशों के बीच न्यायिक सहयोग को विकसित करने, बढ़ावा देने और मजबूत करने के लिये नेपाल के सर्वोच्च न्यायालय के साथ समझौता किया है।

राजशाही समर्थक पार्टी ने रैली निकाली

काठमाण्डू। राजशाही समर्थक राष्ट्रीय पार्टी (आरपीपी) ने विशाल रैली निकाली और राजशाही को बहाल करने तथा नेपाल को हिन्दू राष्ट्र के रूप में स्थापित करने की मांग की। आरपीपी के मुखिया राजेन्द्र लिंग्देन के नेतृत्व में रैली में हजारों कार्यकर्ता, नेता तथा राजशाही समर्थक शामिल हुए।

भारतवंशी पर विमान में उत्पीड़न का आरोप

न्यूयॉर्क। अमेरिका में भारतीय मूल के एक नागरिक पर एक घरेलू उड़ान में अपनी सहयात्री के यौन उत्पीड़न का आरोप लगा है। संघीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मोटाना के संघीय अभियोजक कर्ट एल्मे ने कहा यदि आरोप सिद्ध हुआ तो दोषी को दो साल जेली की सजा और ढाई लाख अमेरिकी डॉलर का जुर्माना लगाया जा सकता है।

भारत के रास्ते व्यापार नहीं करेगा बांग्लादेश

नई दिल्ली। भारत के खिलाफ टिप्पणी करना बांग्लादेश को भारी पड़ज़ है। भारत ने बांग्लादेश को दी जानी वाली माल हस्तान्तरण सुविधा वापस ले ली है। ऐसे में बांग्लादेश भारत के रास्ते यूरोप और पश्चिम एशिया के देशों के साथ व्यापार नहीं कर पाएगा।

फ्रांस से खरीदे जाएंगे 26 राफेल

नई दिल्ली। नौसेना के लिए फ्रांस से करीब 64000 करोड़ रुपये मे 26 राफेल मरीन लड़ाकू विमान खरीदे जाएंगे। पीएम मोदी की अध्यक्षता वाली सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति ने इस सौदे को मंजूरी दी है। सौदा भारत व फ्रांस सरकार के बीच होगा।

फसक

दाज्यू, सरकार का हुक्म तो मानना पड़ने वाला ठैरा

दुनिया के मेले में खपड़्योव भी होती रहती है बल

दाज्यू, जिला प्रशासन के साब कह रहे हैं- 'यूसीसी पोर्टल पर शादी का पंजीकरण न कराने वाले सरकारी विभागों के कार्मिकों के वेतन भुगतान पर रोक लगेगी।' दाज्यू, साब को भी हुक्म ठैरा। उनका काम राज आज्ञा पालन हुआ। सरकारी कर्मचारी भी मानेंगे। सरकार का हुक्म तो मानना पड़ने वाला ठैरा। हल्द्वानी में तो लिव इन रिलैशनशिप का पंजीकरण भी सबसे पहले हुआ। दाज्यू, अभी आगे-आगे देखते रहो। शादी, तलाक, रिलैशनशिप बहुत तरह का कॉलम बने हैं बल ऑनलाइन भरने के लिये। भिक्कू भी पिछले सात दिन से ऑनलाइन फार्म में पंजीकरण के लिये मेहनत कर रहा है।

दाज्यू, दुनिया के मेले में खपड़्योव भी होती रहती है बल। हाईकोर्ट ने ऋषिकेश के मेयर शम्भू पासवान के जाति प्रमाण पत्र को लेकर दाखिल याचिका का निस्तारण करते हुए डीएम देहरादून को निर्देश दिया है कि वे चार सप्ताह के भीतर प्रमाण पत्र की जाँच कर निर्णय लें। दाज्यू, नैनीताल में हब इंचार्ज व डिलीवर ब्वॉय लाखों का माल लेकर फरार हो गया है। ऑनलाइन आर्डर के द्वारा ग्राहकों को उत्पाद उपलब्ध कराने वाली नामी कम्पनी के हब इन्चार्ज और डिलीबरी ब्वॉय द्वारा कम्पनी को लाखों रुपये का चूना लगाया गया बल। उधर बागेश्वर के कपकोट में तो अन्धेर ही मच गई। दो बालिकाओं को कमरे में बन्द कर पीटने, गाली देने का वीडियो वायरल होने के बाद युवक को पुलिस ने पकड़ा। भगवान जाने, पहाड़ में भी क्या होने लगा है। युवक पिटाई करते हुए मादर फादर.....बकते जा जा रहा था और बालिकाएं डड़ाडाड़ कर रही थीं। धौलछीना में एक युवती के साथ दुष्कर्म का मामला भी प्रकाश में आया है। लापता हुई युवती को हरियाणा में मिली उसने जांलकांडे बागेश्वर के युवक पर दुष्कर्म का आरोप लगाया। दाज्यू सब खाब-खब्बाड़ हो रहा ठैरा। बहलाना, फुसलाना, दूर तक चले जाना, पता नहीं क्या होने लगा है। सब खपड़्योव हुई। जल संस्थान डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ की बैठक में इंजीनियर कह रहे थे- 'उत्पीड़न किया तो कार्य बहिष्कार करेंगे।' दाज्यू, आप जानने ही वाले ठैरे कि बैठकों का क्या होता है। हुक्म भी कुछ जीच हुआ। -तुम्हारा भुली झकरुवा

चुनौतीपूर्ण चारधाम यात्रा में व्यवस्था चाक चौबंद बनाने के निर्देश

डा. हरीश चन्द्र अन्डोला

चारधाम यात्रा सबसे पवित्र यात्राओं में से एक है जिसे हर हिन्दू अपने जीवनकाल में कम से कम एक बार करने की इच्छा रखता है। पवित्र यात्रा में गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ सहित चार पवित्र स्थलों की यात्रा शामिल है । चारधाम की पारम्परिक यात्रा चुनौतियों से भरी है क्योंकि सभी चार ाम स्थल बहुत ँचाई पर स्थित है और तीर्थयात्रियों को इन स्थलों तक पहुँचने के लिए पैदल चलना होगा। अप्रत्याशित मौसम और चुनौतीपूर्ण मार्ग यात्रा को और भी कठिन बना सकते हैं। उत्तराखण्ड चारधाम यात्रा अब सामने है। इसके लिये शासन-प्रशासन तैयार है।

उत्तराखण्ड सरकार की कोशिश है कि चारधाम की यात्र पर आने वाले श्रद्धालुओं की यात्रा सुरक्षित, सुगम और सुव्यवस्थित हो। सीएम ने निर्देश दिए हैं कि यात्रा मार्गों पर पार्किंग की व्यवस्था ऐसे स्थानों पर की जाए जिनके आसपास, होटल, धर्मशाला, होमस्टे समेत अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हों। सीएम ने कहा कि धामों के दर्शन के लिए स्लक्ट मैनेजमेंट सिस्टम और अधिक बेहतर किया जाए। यात्रा मार्गों में सम्वेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे की पर्याप्त व्यवस्था करने के साथ ही अधिक ट्रैफिक वाले क्षेत्रों की रियल टाइम निगरानी की जाए। चारधाम यात्रा के दौरान यातायात प्रबन्धन की चुनौतियों का सामना करने के लिए पुलिस की ओर से बेहतर प्लान तैयार कर काम किया जाए ताकि पिछले साल जो समस्याएं आई थी वो समस्याएं इस चारधाम यात्रा के दौरान न हो। जाम की स्थिति वाले स्थानों की रियल टाइम जानकारी सोशल मीडिया समेत अन्य माध्यमों के जरिए जनता से साझा की जाए। इसके साथ ही पुलिस और प्रशासन के सोशल मीडिया प्रोफाइल पर यातायात और मौसम का अपडेट दिया जाए। यात्र मार्गों पर पार्किंग स्थलों की जानकारी श्रद्धालुओं को गूगल मैप से मिल जाए, इसकी व्यवस्था की जाए. सीएम ने श्रद्धालुओं से अपील करते हुए कहा कि रजिस्ट्रेशन करने के बाद ही चारधाम यात्रा पर आएं। सभी हितधारकों के साथ समन्वय बनकर काम किया जाए और उनके सुझावों को गम्भीरता से लिया जाए।

सरकार की ओर से चारधाम यात्रा के लिए की गई तैयारियों की जानकारी भी हितधारकों के साथ साझा किया जाए। चारधाम यात्रा के वैकल्पिक मार्गों को भी बेहतर किया जाए। यात्रा मार्गों पर अस्थाई पार्किंग विकसित करने के लिए भुगतान के आधार पर स्थानीय लोगों से भी सम्पर्क किया जाए। श्रद्धालुओं की सुविधा के मद्देनजर यात्र मार्ग पर पुलिस सहायता डेस्क स्थापित किया जाए। यात्रा मार्गों पर आपदा सम्भावित क्षेत्रों और ऊँचाई वाले क्षेत्रों में ड्रोन कैमरों की मदद से निगरानी और आपदा की दृष्टि से सम्वेदनशील स्थानों पर आवश्यक उपकरणों की पर्याप्त व्यवस्था रखी जाए। यात्रा मार्गों पर आवश्यकतानुसार क्रैश बैरियर लगाए जाएं। पुलिस और परिवहन विभाग द्वारा वाहनों के सघन चैकिंग अभियान चलाया जाए और वाहनों की फिटनेस का विशेष ध्यान रखा जाए। यात्रा मार्गों पर तमाम जानकारियों के लिए साइनेज की पर्याप्त व्यवस्था की जाए। पिछले साल लगभग 48 लाख श्रद्धालुओं ने यात्रा की थी। इस साल की सुरक्षित और व्यवस्थित यात्रा के लिए 50 थाने, 79 रिपोर्टिंग पुलिस चौकी, 5850 पुलिस बल, 38 सीजनल (अस्थाई) चौकियां हैं। ट्रैफिक के बेहतर प्रबन्धन के लिए तीन प्लान तैयार किए गए जिन्हें वाहनों के दबाव और जाम की स्थिति को देखते हुए लागू किया जाएगा। पुलिस महानिरीक्षक, गढ़वाल रेंज के अधीन चारधाम कन्ट्रोल रूम की स्थापना की गई है। जिसके प्रभारी एसपी ट्रैफिक हैं। पुलिस महानिरीक्षक अपराध एवं कानून व्यवस्था के अधीन पुलिस मुख्यालय स्तर पर चारधाम सेल गठित है जो कि लगातार नियंत्रण और मानिटरिंग की व्यवस्था करेगा। पूरे यात्र मार्ग को 15 सुपर जोन, 41 जोन और 137 सेक्टर में बांटा गया है। चारधाम यात्रा के साथ ही लम्बे वीकेंड के लिए भी विस्तृत यातायात प्लान तैयार किया गया है चारधाम यात्रा मार्ग के 54 बाटलनेक्स, 198 दुर्घटना सम्भावित स्थल, 49 ब्लैक स्पॉट और 66 लैंड स्लाइडिंग क्षेत्रों को पुलिस विभाग ने चिन्हित कर लिया है। जिसमें सभी उपाय किये गये हैं। पिछले साल 113 पार्किंग स्थल चिन्हित थे। जिनमें 33295 छोटे और 3554 बड़े वाहनों की व्यवस्था थी। इस साल 17 पार्किंग स्थलों को और चिन्हित किया गया है। कुल 130 चिन्हित पार्किंग स्थलों में 43416 छोटे और 7855 बड़े वाहनों के पार्क की व्यवस्था है। इस साल भी आईआरसीटीसी को जिम्मेदारी मिली है। इस वेबसाइट पर कोई मोबाइल नम्बर नहीं दिया गया है, जबकि फर्जी वेबसाइट और सोशल मीडिया विज्ञापन में मोबाइल नम्बर दर्ज होता है, ताकि लोग इस पर फोन करें और साइबर ठग उन्हें अपनी बातों में फंसा सके. एसएसपी एसटीएफ ने बताया कि साइबर थाने में सीओ के पर्यवेक्षण में चार अधिकारियों की एक टीम तैनात है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

रंगमंच

एकता, सांस्कृतिक चेतना और परम्परा का सेतु

ध्रुव काण्डपाल

रंगमंच मानव सभ्यता की सबसे पुरानी और प्रभावशाली कला विधाओं में से एक है। नाट्यशास्त्र केअनुसार, रंगमंच न के वल मनोरंजन बल्कि शिक्षा और मानसिक विकास का भी महत्वपूर्ण साधन है। यह भावनाओं को सबसेप्र भावशाली तरीके से प्रस्तुत करता है तथा हास्य, करुण, वीरता, श्रृंगार, भय और शोक जैस`नौ रस रंगमंच के माध्यम से जीवन्त होते हैं।

रंगमंच की इस महत्ता को पहचानते हुए 27 मार्च को 'विश्व रंगमंच विवस' और प्रतिवर्ण 3 अप्रैल को हिन्दी रंगमंच दिवस मनाया जाता है। इसी दिन बनारस में पहली बार शीतलाप्रसाद त्रिपाठी कृत हिन्दी नाटक जानकी मंगल का मंचन हुआ था। आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने1967 में हिन्दी साहित्य का इतिहास में पहली बार इस नाटक के मंचन को प्रामाणिक तौर पर पुष्ट किया। इंग्लैंड कें एलिन इंडियन मेल' के 8 मई 1868 के अंक में भी उस नाटक के मंचन की जानकारी प्रकाशित हुई थी।

रंगमंच का इतिहास हजारों वर्ष पुराना है। महर्षि भरतमुनि द्वारा रचित नाट्यशास्त्र विश्व की पहली रंगमंचीय कृति है, इसका समय लगभग 2000 वर्ष पुराना माना जाता है। 'नाट्यशास्त्र' में कला की विभिन्न विधाओं, अभिनय, संगीत, मंच-सज्जा और रस-सिद्धान्त का विस्तृत वर्णन मिलता है। कालिदास, भास, शूद्रक, विशाखदत्त आदि भारतीय नाट्य परम्परा में प्रमुख रचनाकारों में सम्मिलित हैं।

भारतीय ज्ञान के संरक्षण में रंगमंच की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण रही है। पूर्वकाल में नाटकों का मंचन मन्दिरों में प्रस्तुत किया जाता था और इनकी कथावस्तु धार्मिक, पौराणिक और नैतिक सन्देशों से जुड़ी होती थी, जो दर्शन, समाज और आध्यात्मिक ज्ञान का संवाहक हैं। इन प्रस्तुतियों ने पीढ़ी दर पीढ़ी भारतीय मूल्यों और परम्पराओं को जीवित रखा है।

मध्यकाल में रंगमंच ने भक्ति की दृष्टि से पूरे राष्ट्र को एक ज्ञान-परम्परा से जोड़कर रखा। इसी एकता के भाव और ज्ञान से प्रेरत होकर उस समय कई शैलियाँ विकसित हुई, ` जिनके माध्यम से शास्त्र, पुराण, नीति, और नैतिक शिक्षाएं समाज तक पहुँचीं। रासलीला, रामलीला, यक्षगान, भावई, दशावतार आवि यही सांस्कृतिक अभिव्यक्यिाँ हैं, जिसमें समाज में सामान रूप से प्रतिभाग करता है। यह प्रदर्शन केवल मनोरंजन का साधन नहीं है बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक सन्देशों को प्रसारत करने का महत्वपूर्ण माध्यम है।

यूनेस्को ने इन अवभव्यक्वियों को वैश्विक सांस्कृतिक धरोहर के रूप में मान्यता दी है। कुडीअट्टम विश्व का सबसे पुराना जीववत मंचीय रूप है, जिसे यूनेस्को ने वैश्विक धरोहर माना है। इसमें पारम्पररक कथकली की तरह ही अवभनय, हाव-भाव (आंगिग अभिनय), संगीत और शास्त्रीय संस्कृत नाटक का मिश्रण होता है। इसी तरह मुड़ियेट्टू केरल का पारम्परिक अनुष्ठानिक नाट्य रूप, जिसे यूनेस्को ने 2010 में वैश्विक धरोहर घोषित किया। मुड़ियेट्टू देवी काली और दारिका राक्षस की पौरावर्क कथा पर आधारित है, जिसमें कलाकार बड़े मुखौटे पहनते हैं और संस्कृत भाषा में तथा लोक धुनों के साथ प्रस्तुत करते हैं। थे। येय्यम भी केरल का अनुष्ठानिक शैली है। इसमें भव्य परिधान, मुखौटे और नाटकीय भंगिमाएं देखने को मिलती हैं। कनाग्टक का यक्षगान एक पारम्परिक मंचीय है, जिसमें संगीत, नृत्य और अभिनय का अनूठा संगम देखने को मिलता है। यक्षगान में महाभारत और रामायण की कथाएं प्रस्तुत की जाती हैं। यह दक्षिण क्षेत्र की प्रमुख लोक शैलियों में से एक है। कर्नाटक में ही यक्षगान शैली की छाया कठपुतली कला बुद्दांग कुंदु है, जिसमें रामायण, महाभारत और पुराणों की कथाएं प्रस्तुत की जाती हैं। मणिपुर में थांग-ता पारम्परिक मार्शल आर्ट और रंगमंच का अनोखा मिश्रण है। इसमें तलवार (थांग) और भाला (ता) के प्रदर्शन के साथ-साथ नृत्य और नाट्य का भी समावेश होता है। बस्तर (छत्तीसगढ़) की गोतुल परम्परा, मुरिया जनजाति का सामुदायिक कला, नृत्य और जीवनशैली से जुड़ी सांस्कृतिक अभिव्यवि है। इसमें लोक गीत, नृत्य और पारम्परिक शिक्षा दी जाती है। छऊ नृत्य पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखण्ड की एक समृद्ध लोक परम्परा है जिसमें मुखौटे और नृत्य के माध्यम से महाकाव्य कथाएं प्रस्तुत की जाती हैं। इसे भी यूनेस्को ने वैश्विक सांस्कृतिक धरोहर के रूप में मान्यता दी है। आदि शंकराचार्य की प्रेरणा और राम कथा से प्रेरत 'रम्माण' उत्तराखण्ड का एक पारम्पहरक धामिग्क और सांस्कृतिक उत्सव है, जिसे यूनेस्को ने 2009 में अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के रूप में मान्यता दी। रामलीला, रामायण महाकाव्य का पारम्परिक नाट्य रूपान्तर्र है, जिसमें भगवान राम के जीवन की घटनाओं का मंचन किया जाता है। दशहरे क`अवसर पर उत्तर भारत में इसका विशेष आयोजन होता है। इसे भी यूनेस्को सूची में 2008 में शामिल किया गया। माच मध्य प्रदेश के मालवा क्षेत्र की पारम्परिक नाट्यशैली, जिसमें नृत्य और गायन के माध्यम से नाटक प्रस्तुत किए जाते हैं। यह रंगमंच शैली मुख्य रूप से धार्मिक और ऐतिहासिक विषयों पर आधारत होती है।

असम के माजुली द्वीप की पारम्परिक मुखौटा निर्माण कला को भौगोलिक संकेतक (GI) टैग प्रदान किया गया है। यह कला 16वीं शताब्दि में सन्त शंकरदेव द्वारा शुरू की गई थी और यह असम की नव-वैष्णव परम्परा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इन मुखौटों का उपयोग धार्मिक नाटकों, जिन्हें 'भाओना' कहा जाता है, में विभिन्न देवी-देवताओं, राक्षसों, जानवरों और पक्षियों के चरित्रों को दर्शाने के लिए किया जाता है। इन सभी रंगमंच अभिव्यवियों ने भारतीय नाट्य परम्परा को समृद्ध किया है तथा वैश्विक मंच पर भी अपनी पहचान बनाई है।

भारतीय रंगमंच की प्रमुख विशेताएं यह है कि इसमें नाट्यशास्त्र पर आधारित मंचीय परम्पराएं, रंगमंच के सभी घटकों (अभिनय, नृत्य, संगीत, सम्वाद, मंच-सज्जा) का सन्तुलित मिश्रण है। लोक नाट्य और पारम्परिक शैली पर दृष्टि डालें तो इसमें आध्यात्मिकता, नैवतकता, एकता और स्थानीय संस्कृति का समावेश स्पष्ट दिखता है। इसी लोक परम्परा ने नाट्य को आज भी जीवन्त और अनुशासित रखा है। नाट्य के नए प्रयोगों में डिजिटल थिएटर, फ्यूजन नाटकों के माध्यम से इसे नया जीवन दिया जा रहा है। फिल्म और थिएटर के मिश्रण से अब कई फिल्म निर्देशक भी थिएटर से जुड़े कलाकारों को मंच दे रहे हैं। लोक नाट्य से प्रेरत होकर थर्ड थिएटर और वैकल्पिक रंगमंच जैसे प्रयोग हो रहें हैं जिसमें छोटे-छोटे समूहों द्वारा कथाओं को पुनः आमजन तक पहुँचाने का प्रयास प्रारम्भ हुए हैं। आज भारतीय कला और संस्कृति को विश्वभर में प्रस्तुत करने के लिए कई नाटट् संस्थाएं और कलाकार सक्रिय हैं। भारतीय रंगमंच, योग, वेदान्त और अध्यात्म को भी नाटकों के माध्यम से विश्वभर में पहुँचा रहा है, जिससे भारत की सांस्कृतिक विरासत को नई ऊँचाई मिल रही है।

रंगमंच दिवस, भारतीय सांस्कृतिक एकता और समाज पर इसके प्रभाव को दर्शाने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। रंगमंच हमेशा से 'स्क्रिप्ट विथ सल्यूशन' की अवधारणा पर कार्य करते रहे हैं, जिससे समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सके। यह समाज को जागरूक करने, एकता बनाए रखने, और विश्वभर में भारतीय संस्कृति का प्रचार-प्रसार करने का प्रभावशाली माध्यम है। रंगमंच के इस महत्त्व को समझते हुए हमें इसे और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में कार्य करना चाहिए ताकि यह अपने उद्देश्य को और प्रभावी रूप से पूरा कर सके ।

गुरुकुल कांगड़ी विवि में युवा सांसद का आयोजन

हरिद्वार। गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय युवा सांसद 2025 का आयोजन जोरदार रहा। इसका उद्देश्य युवाओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया से प्रेरित करना, उनके विचारों को मंच प्रदान करना तथा तथा राष्ट्रीय मुद्दे पर रचनात्मक सम्वाद को बढ़ावा देना था। कुलपति प्रो. हेमलता के. कुलसचिव सुनील कुमार, मदन कौशिक, डॉ. आर.के.शुक्ल, डीन डीएस डब्लू रवीन्द्र कुमार, डिप्टी डीन के द्वारा दीप प्रज्जवलित कर इसकी शुरुआत की गई। इस मौके पर कुलपति ने कहा कि यह कार्यक्रम न केवल युवाओं को राजनीति जागरूकता प्रदान करता है, उन्हें नेतृत्व, सम्वाद एवं लोकतांत्रिक मूल्यों की स्थापना भी करता है। मुख्य अतिथि विधायक मदन कौशिक ने भारत युवाओं को देश और इसे आगे बढ़ाने में युवाओं की भूमिका ही महत्वपूर्ण है।

ज्योतिष की बातें- 225

इस सप्ताह चन्द्रमा के अतिरिक्त अन्य कोई भी ग्रह राशि परिवर्तन नहीं कर रहा है। सम्पूर्ण सप्ताह सूर्य व शुक्र उच्चराशि मेष व मीन में, शनि समराशि मीन में, गुरु शत्रुराशि वृषभ में, मंगल व बुध नीचराशि कर्क व मीन में गोचर करेंगे तथा चन्द्रमा इस सप्ताह मकर, कुम्भ, मीन व मेष में क्रमशः गोचर करेंगे।

इस स्थायी स्तम्भ के अन्तर्गत प्रति सप्ताह अलग-अलग ग्रहों का गोचरफल प्रस्तुत किया जाता है जो कि स्थूल रूप से ही सही होता है। व्यक्ति विशेष के लिए सूक्ष्म विश्लेषण उसकी जन्मकुण्डली, महादशा आदि पर निर्भर करता है।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 116

पशुओं की घटती संख्या

स्वतन्त्रता प्राप्ति के समय जब देश की आबादी मात्र 30 करोड़ थी उस समय खाने-पीने की वस्तुओं की बहुत कमी थी, अन्न विदेश से मंगाना पड़ता था। तब से अब चार गुनी मनुष्यों की आबादी बढ़ गई है फिर भी अब अन्न की कमी नहीं हो रही है। अन्न और फलों का उत्पादन इतना अधिक बढ़ गया है कि आधा तो खाने के बाद बर्बाद हो जाता है। मनुष्य की आबादी जितनी तेजी से बढ़ी उससे कई गुना तेजी से अन्न, फलों और दूध का उत्पादन बढ़ा।

दूसरी तरफ विचार किया जाए जिन जीवों की खुराक बहुत अधिक होती थी वे अब कहाँ हैं? उन पशुओं का भोजन मनुष्य ही खा रहा है। पिछले सौ वर्षों में हाथियों की संख्या लगभग शून्य हो गई है क्योंकि हाथियों का उपयोग अब कहीं रहा नहीं। घोड़ों की संख्या जो करोड़ों में थी अब वे लगभग लुप्तप्राय ही हैं। गाय, भैंस, बकरी, भेड़ आदि पशु केवल दुग्ध और मांस उत्पादन के लिए रह गए हैं। गधे, खच्चर भी अब उपयोग न होने के कारण लगभग समाप्त हो गए हैं। खेतों में पराली खाने के लिए भी अब पशु नहीं बचे। इस कारण पराली जलानी पड़ती है। इस प्रकार हम देखें तो जो अरबों की संख्या में पशु थे अब वे समाप्ति की ओर हैं। पशु दो प्रकार के होते हैं ग्राम्य और वन्य। ग्राम्य पशु इसलिए समाप्त हो गए क्योंकि उनका उपयोग समाप्त होने से उनको पालना बन्द कर दिया गया। और अब वन्य पशु भी तेजी से मारे जा रहे हैं, जंगल उजाड़कर, उनमें आग लगाकर।

यदि कभी पशु इस पृथ्वी से समाप्त हुए तो उसके पहले यह मनुष्य नाम का प्राणी ही समाप्त हो जाएगा।

-ओंकार नाथ कोष्टा

मल्ला जोहार विकास समिति ने राज्यमंत्री अजय टम्टा को सीमान्त की समस्याओं से अवगत कराया

अधिकारियों का न होना दुर्भाग्य है

मुनस्यारी। मल्ला जोहार विकास समिति ने रक्षा राज्यमंत्री व परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री अजय टम्टा को सीमान्त की समस्याओं से अवगत कराते हुए कहा है कि यह हमारा दुर्भाग्य है कि विभागों में अधिकारी तक नहीं हैं। मुनस्यारी के हालातों पर चर्चा करते हुए समिति के अध्यक्ष श्रीराम सिंह धर्मशक्तू ने कहा कि सीमान्त की दशा जग जाहिर है। मुनस्यारी में न तो उपजिलाधिकारी और तहसीलदार हैं, इसके अलावा अन्य विभागों में कोई अधिकारी नियुक्त नहीं दिखाई देते। साथ ही सड़क परिवहन की दशा अति दयनीय बनी हुई है।

श्री धर्मशक्तू ने सांसद व मंत्री टम्टा को न्योता दिया है कि वह मुनस्यारी भ्रमण पर आएं और देखें कि सड़कों पर गड्ढे ही गड्ढे हैं। मुनस्यारी से मिलम 67 किमी तक जो सड़क मार्ग का निर्माण 2010 से किया जा रहा है जिसकी वाट जनता जोह रही है। वर्तमान समय में इस सड़क निर्माण कार्य 83आरसीसी एक्कॉर्ट डिवीजन से बीसीसी 1447 को हस्तान्तरित किया गया है, उसके पास न तो संसाधन है धन ही उपलब्ध है। पिछली बार जौलजीवी मेले में घोषणा की गई थी कि सीमान्त क्षेत्र का विकास होगा परन्तु यह सब हवा में बह गया है। समिति ने मंत्री से अनुरोध किया है कि वर्तमान समय में मोटर मार्ग निर्माण का कार्य जो धन के अभाव में रुका हुआ है और वर्तमान समय पर जिम्मेदार बीसीसी दरकोट टनकपुर जो इसका मुख्यालय है उसको दिया गया है। उनसे सम्पर्क स्थापित करने पर विदित हुआ है कि उनके पास संसाधन की कमी है, तमाम मशीन खराब पड़ी हैं जिन्हें रोड के किनारे खड़ा कर दिया ळै। वह कार्य करने में असमर्थ है। ऐसे में रोड का निर्माण कब तक होगा? माइग्रेशन परिवार के लोग अपनी भूमि में निवास करने हेतु जाने के लिये तैयारी कर रहे हैं, भेड़ बकरी वाले तराई से आना प्रारम्भ हो चुके हैं। लोनिवि मुनस्यारी डीडीहाट पिथौरागढ़ की हालत बहुत ही खराब हो चुकी है, वह कार्य करने में सक्षम नहीं है। नदी नालों के ऊपर पुल का निर्माण होना बांकी है। इसके अलावा प्रतिवर्ष जंगली जानवर खासकर भालू द्वारा मकान को क्षति पहुंचाई जा रही है उसका भी मुआवजा परिवार वालों को नहीं दिया जा रहा है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

डाक्टरों की कमी को लेकर प्रदर्शन

गोपेश्वर। जिला अस्पताल में डाक्टरों की कमी को लेकर स्थानीय लोगों ने प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। पालिका अध्यक्ष संदीप रावत ने अस्पताल जाकर पूरी जानकारी ली और सीएमओ से बात की। प्रदर्शन कारियों के हंगामे के बाद सीएमओ ने तीन डाक्टरों की तैनाती की।

मशरूम प्लांट पर आग से नुकसान

कोटद्वार। नगर निगम क्षेत्र के अन्तर्गत ध्रुवपुर में भारत मशरूम उद्योग में आग लगने से 16 क्विंटल तैयार मशरूम, स्टीम चैम्बर के साथ ही भूषा, लकड़ी का बुरादा समेत अन्य कच्चा माल जलकर राख हो गया।

अल्मोड़ा मालरोड पर वनवे व्यवस्था

अल्मोड़ा। पर्यटन सीजन में नगर की यातायात व्यव्था को सुदृढ़ रखने के लिये पुलिस ने यातायात व्यवस्था में आंशिक बदलाव किया है। माल रोड समेत एलआरसाल सड़क पर अब वन वे व्यवस्था का समय सुबह आठ बजे से रात आठ बजे तक रहेगा।

गुरु गोरखनाथ धाम में हेलिपैड की मांग

चम्पावत। गुरु गोरखनाथ मन्दिर के महन्त योगी रामनाथ ने देहरादून में सीएम पुष्कर धामी से भेंट करते हुए गुरु गोरखनाथ धाम में हेलीपैड निर्माण, धाम परिसर में सत्संग हॉल का निर्माण, धाम के चारों ओर चाहरदीवारी निर्माण करवाने की मांग की। नाथ सम्प्रदाय के वरिष्ठ महन्त योगी रामनाथ ने सीएम के साथ विस्तार से बात करते हुए उन्हें रुद्राक्ष की माला भेंट की।

डीडीहाट में नई यातायात व्यवस्था

डीडीहाट। नगर में बढ़ते वाहनों के दबाव को देखते हुए नगर पालिका परिषद व यातायात पुलिस ने नगर में वन वे और वन साइड पार्किंग व्यवस्था लागू कर दी है। पालिका सभागार में चैयरमैन गिरीश चुफाल ने बैठक कर यातायात, पेयजल व अन्य समस्याओं पर चर्चा की। सीओ केवल रावत ने सभी से यातायात व्यवस्था में सहयोग देने की अपील की।

धारचूला, बंगापानी में तहसीलदार भेजो

धारचूला। महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष नन्दा बिष्ट के नेतृत्व में तहसील पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने धारचूला व बंगापानी में स्थायी तहसीलदार नियुक्ति की मांग की। कहा कि दोनों तहसीलें सम्वेदनशील हैं। तहसील क्षेत्र के गांव दूरस्थ और दुर्गम हैं। ऐसे में ग्रामीणों को अपनी बात करने के लिये परेशान होना पड़ता है। यह क्षेत्र आपदा कारणों से भी प्रभावित हैं। ऐसे में तहसील स्तर पर स्थायी अधिकारी का होना जरूरी है।

थराली आपदा के घाव हरे हैं

विधायक ने आपदाग्रस्त क्षेत्र का जायजा लिया

गोपेश्वर/थराली। मुसलाधार बारिश के कारण बरसाती सिपाही गदेरे के विकराल रूप से थराली में हुए नुकसान के घाव अभी हरे हैं। इस घटना में दो कारें दब गईं थी। कई अन्य वाहनों को भी क्षति पहुंची थी। थराली-देवाल-वाण मार्ग भी बुरी तरह से बन्द हो गया था। इसे लोनिवि ने रात दिन मेहनत कर बहाल कर दिया है। आपदा की इस मार में ग्वालदम-सिमली राष्ट्रीय राजमार्ग भी नासिर बाजार में यातायात के लिये अवरुद्ध हो गया था। बीआरओ के प्रयासों से इस मार्ग को खुलवाया जा सका। बरसात का पानी सीएचसी के भवन में घुस गया, इससे चिकित्सालय के ग्राउण्ड साइड में कई दुकानों एवं मकानों में मलबा तथा पानी जाने के कारण लोग डरे रहे। ओलावृष्टि के कारण फसलों को भी भारी नुकसान हुआ।

थराली में आपदा के घाव देखने के लिये विधायक भूपाल राम टम्टा आपदा प्रभावित क्षेत्र पहुंचे और उन्होंने नुकसान का जायजा लिया। प्रशसन को प्रभावितों की मदद करने तथा ओलावृष्टि से हुए नुकसान की रिपोर्ट तैया करने को कहा। विधायक ने सार्वजनिक परिसम्पत्तियों के नुकसान पर चिन्ता जताते हुए कहा कि शासन प्रशासन के स्तर से प्रभावितों को हरसम्भव मदद की जाएगी। विधायक ने तहसील प्रशसन को आपदा से हुए नुकसान को गम्भीरता से लेने को कहा। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। इस अवसर पर नगर पंचायत थराली की अध्यक्ष सुनीता रावत, तहसीलदार पंकज ने राजस्व टीम के साथ मौके पर पहुंच कर आवासीय मकानों, दुकानों, सीएचसी, नासिर बाजार, लोल्टी, तुंगेश्वर, देवराड़ आदि स्थानों पर क्षति का जायजा लिया। विधायक ने निरीक्षण के दौरान राजस्व उपनिरीक्षक मनीष रावत, निवर्तमान जिला पंचायत सदस्य देवी जोशी शमिल थे।

लोक उत्सव के रूप में मनेगी नन्दा राजजात

देहरादून। नन्दा राजजात यात्रा को लोक उत्सव के रूप में मनाया जायेगा। स्थानीय लोगों की यात्रा में अधिकतम सहभागिता और सरकार सहयोगी की भूमिका में रहेगी। नन्दा राजजात यात्रा से सम्बन्धित अभिलेखों को संरक्षित किया जायेगा। यात्रा के के अभिलेखों को लिखने एवं उनका संरक्षण गढ़वाल व कुमाऊं विवि की मदद से किया जायेगा। यह निर्देश मुख्यमंत्री ने सचिवालय में नन्दा राजजात यात्रा की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक में दी। सीएम ने स्थानीय जन प्रतिनिधियों और अधिकारियों का यात्रा से जुड़े हितधारकों के साक्ष बैठक कर उन्हें शामिल करने को कहा।

सोरघाटी में चैतोल, देवी का डोला

पिथौरागढ़। सोरघाटी में चैतोल की धूम मची। अपनी 22 बहनों को भिटौला देने निकले शिवरूपी भगवान देवल से भक्तों ने आशीर्वाद लिया। लोक परम्परा अनुसार भिटोली के माह भगवान शिव अपनी बहनों को भिटोला देने आते हैं। चैतोल पर्व पर सोर के सभी 23 गांवों में उत्सव मनाया गया। पहले ही दिन 11 गांवों में छत्र घुमाकर ल्यूनढूड़ा में विश्राम किया। इसके बाद अन्य ग्रामों में छत्रों के साथ पूजा-अर्चना हुई और देवडांगर अवतरित हुए। देव डोला को नगर में घुमाया गया। घण्टाकरण में पूजा-अर्चना के बाद अन्य देव डोलों का मिलन व पूजन हुआ। दूसरी ओर थल मेले की धूम मची हुई है। इसके बारे में अगले अंक में विस्तार से दिया जायेगा।

पुरानी पेंशन बहाली को जबर्दस्त प्रदर्शन

गैरसैंण/देहरादून। पुरानी पेंशन की मांग को लेकर विभिन्न कर्मचारी, शिक्षक संगठनों ने जबर्दस्त प्रदर्शन करते हुए सरकार को चेताया है। कहा है यदि मांगों पर अमल नहीं हुआ तो एक मई को दिल्ली में विशाल धरना प्रदर्शन किया जायेगा। कर्मचारियों का कहना है कि सांसद, विधायकों की पेंशन बढ़ रही है जबकि कार्मिकों को उनका हक देने पर बोझ माना जा रहा है। आन्दोलन के लिये तमाम संगठनों के बीच सम्वाद और बैठकों का दौर जारी है।

इससे पहले गैरसैंण में बड़ी संख्या में एकत्रित हुए कर्मचारी, शिक्षकों ने जीआईसी खेल मैदान में एकत्रित होकर सभा की और रैली निकाली। उपजिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजते हुए कहा कि राजस्थान, हिमाचल और अन्य राज्यों में पुरानी पेंशन बहाल हो चुकी है लेकिन उत्तराखण्ड सरकार इस ओर ध्यान नहीं दे रही है जबकि विधायकों की पेंशन, भत्तों में बढ़ोत्तरी हुई है। सभा को सम्बोधित करने वालों में एनएसओपीएस के प्रदेश अध्यक्ष जीतमणि पैन्यूली, उर्मिला द्विवेदी, एसएस राणा, मीनाक्षी कृति आदि थे।

गुमदेश चैतोला मेले में झोड़ा-चांचरी

लोहाघाट। नेपाल सीमा से लगे गुमदेश क्षेत्र के चेतोला मेले में झोड़ा-चांचरी की रौनक रही। चमू देवता की स्तुति के लिये हजारों की संख्या में लोग जुटे। इस प्राचीन मेले में प्रतिवर्ष परम्परागत तरीके से अनुष्ठान के साथ कौतिकार जुटते हैं। चमू देवता पर आस्था रखने वाले दूर-दराज से पहुंचं और क्षेत्र की खुशहाली की कामना की।

क्षेत्रवासियों ने वीरगाथा पर के झोड़ों का नृत्यगीत कर चमू देवता से जुड़े प्रसंगों का उल्लेख किया। चमू देवता के धामी राहुल सिंह, लटेश्वर लाटा जोगा सिंह, भरगड़ा के तारा सिंह, रुद्र देवता के देव डांगर लक्ष्मण सिंह पुजारी ने अवतरित होकर भक्तजनों को आशीर्वाद दिया। मेला समिति के प्रमुख खुशाल सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। मेले में स्थनानीय व्यापारियों के साथ हल्द्वानी, मुरादाबाद, पीलीभीत, बिसलपुर से भी व्यापारी पधारे थे।

गंगोलीहाट में भवन कर कमी से राहत

गंगोलीहाट। नगर पालिका क्षेत्र में भवन कर पर 50 फीसदी कमी से राहत मिली है। पालिका बोर्ड की बैठक में भवन कर आधा करने का प्रस्ताव पारित हुआ। भवन कर बढ़ाने के खिलाफ जनता के विरोध को देखते हुए पालिका ने अपने निर्णय को वापस लिया है। बताते चलें कि निकाय चुनाव के बाद भवन कर और पेयजल का बिल बढ़ाने का विरोध तेज होने लगा था। आरोप लगे कि पालिका मनमाने तरीके से कर थोप रही है।

इन सारे हालातों को देख पालिका बोर्ड बैठक में नये सिरे से निर्णय लिया गया। चैयरमैन विमल रावल की अध्यक्षता में हुई बैठक में पूर्व में तय भवन कर में 50 फीसदी छूट देने का प्रस्ताव पारित हुआ। साथ ही व्यापारियों के लाइसेंस नए सिरे से बनाने, वार्डों में स्ट्रीट लाइट लगाने, आपराधिक गतिविधियों को रोकने के लिये नगर में सीसीटीवी लगाने और पार्क के लिये जगह तलाशने का निर्णय भी लिया गया। बैठक में ईओ मीनाक्षी बरदोला सहित सभासद मौजूद थे।

नन्दा राजजात की तैयारी में जुटा प्रशासन

गोपेश्वर। वर्ष 2026 में होने जा रही नन्दा राजजात यात्रा के लिये चमोली जिला प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसके तहत सम्बन्धित विभागों ने योजनाओं से सम्बन्धित प्रस्ताव उपलब्ध कराने को कहा गया है। डीएम संदीप तिवारी ने बैठक करते हुए यात्रा में सम्बन्धित निर्माण कार्य पूरा करने को कहा है।

बदरी-केदार में ऑनलाइन पूजा

देहरादून। बदरीनाथ-केदारनाथ मन्दिर समिति ने चारधाम यात्रा के दौरान बदरीनाथ व केदारनाथ धाम में विशेष ऑनलाइन पूजा और सुबह-शाम की आरती के लिए बुकिंग होने लगी है। तीर्थयात्री 30 जून तक की पूजा के लिये बुकिंग करवा सकते हैं। बीकेटीसी के मुख्य कार्याधिकारी विजय प्रसाद थपलियाल ने ने बताया कि तीर्थयात्री मन्दिर समिति की वेबसाइट में दोनों धामों के लिये बुकिंग करवा सकते हैं।

परिक्रमा

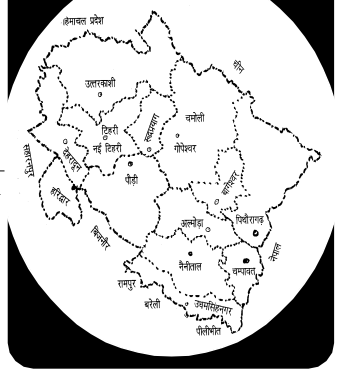

तेजम सड़क के लिए ग्रामीणों का प्रदर्शन

मुनस्यारी। तेजम के लोद डोकुला मार्ग के निर्माण में लापरवाही से 5 मकान व मन्दिर को खतरा बताते हुए सुरक्षात्मक कार्य नहीं किये जाने से नाराज ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष विक्रम दानू के नेतृत्व में ग्रामीणों ने शासन प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की।

बनबसा में रेलवे भूमि खाली कराई

बनबसा। रेलवे प्रशासन ने अपनी जमीन पर हुए अतिक्रमण को हटाते हुए भूमि खाली कराई है। इस पूरी कार्रवाई में अतिक्रमणकारियों में खलबली मची रही। नोटिस मिलने के बाद अधिकांश सब्जी, मांस विक्रेताओं ने अपने प्रतिष्ठान पहले ही हटा लिये थे। रेलवे प्रशासन ने अपनी भूमि पर कब्जा हटाने के लिये सहायक मण्डल इंजीनियर सुरेन्द्र सिंह के नेतृत्व में टीम भेजी, जिसने धर्मशाला के पास जेसीबी से अतिक्रमण हटा दिया। इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिस बल भी था।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पन्त विथिका में शराब की संस्कृति पर साहित्यिक चर्चा ??

केशव भट्ट

उत्तराखण्ड के कौसानी में हाल ही में जो कुछ हुआ उसने साहित्यप्रेमियों और संस्कृति के रखवालों को झकझोर कर रख दिया है। प्रकृति के कवि, युगवाणी के शिल्पी और मानवतावाद के पुरोधा सुमित्रानन्दन पन्त की स्मृति में बनी पन्त विथिका, जहाँ शब्दों में सौंदर्य, सम्वेदना और शान्ति का वास होता है, वहाँ शराब की दुकान के समर्थन में एक बैठक का आयोजन न केवल अप्रत्याशित है बल्कि चिन्ताजनक और शर्मनाक भी है।

सुमित्रानन्दन पन्त न केवल छायावादी युग के स्तम्भ थे बल्कि वे आधुनिक भारत की सांस्कृतिक आत्मा के प्रतीक रहे कौसानी, जो उनकी जन्मभूमि है, वर्षों से साहित्यप्रेमियों और पर्यटकों के लिए एक तीर्थ समान रहा है, ऐसे स्थान पर किसी वाणिज्यिक और विवादित विषय जैसे शराब की दुकान खोलने के पक्ष में बैठक का होना एक प्रकार से उस पवित्र स्थल की आत्मा को आहत करने जैसा ही है। शराब का मुद्दा सामाजिक, स्वास्थ्य और नैतिक दृष्टिकोण से हमेशा सम्वेदनशील रहा है। जिस स्थल पर राष्ट्र और प्रकृति को समर्पित कविताएं गूंजी हों, वहाँ ऐसी चर्चा का होना न केवल अनुचित है बल्कि युवाओं के लिए भी गलत सन्देश देता है। पंत जी की कविता में जिस निर्मलता और आत्मिक शुद्धता की बात थी। उसके विपरित शराब की दुकान खोले जाने की प्रबल भावना और ललक इस बैठक के लिए सहमति प्रदान करने वाले पन्त विथिका के संरक्षक को जरूर दिखाई दे रही होगी तभी तो उन्होंने आनन-फानन विथिका के आंगन के साथ ही (भीतरी मुख्य कक्ष भी तुरन्त ही खोल दिया) अब पन्त विथिका के संरक्षक के सामने भी तो किंकर्तव्यविमूढ़ वाली स्थिति हो गई होगी।

दबी आवाज में कुछ लोगों का कहना है कि पर्यटन और विकास का मार्ग स्वच्छ संस्कृति से होकर गुजरता है, न कि नशे के प्रोत्साहन से। पन्त विथिका जैसे स्थल का प्रयोग यदि सांस्कृतिक जागरूकता, साहित्यिक गोष्ठियों और शिक्षा के उद्देश्यों के बजाय शराब की दुकान के समर्थन जैसे विषयों के लिए होने लगे तो यह पूरे समाज के लिए एक चेतावनी के साथ ही कलंक हुआ।

क्या कभी इन सवालों के उत्तर मिल पाएंगे, क्या यह निर्णय स्थान की गरिमा और उसकी ऐतिहासिक सांस्कृतिक पहचान की अवहेलना नहीं है, क्या हम अपने साहित्यिक पूर्वजों के योगदान को इस तरह तुच्छ मुद्दों में घसीट सकते हैं, क्या विकास की परिभाषा अब सिर्फ राजस्व और वाणिज्य बनकर रह गई है, कौसानी क्षेत्र में अवैध शराब किसके संरक्षण में फल फूल रहा होगा? वैसे सवाल तो ये भी उठता है कि इस पर खबरनवीसों की नजर क्योंकर चूक गई होगी.....

आज जब हम आधुनिकता की ओर बढ़ रहे हैं तब यह आवश्यक है कि हम अपनी जड़ों को न भूलें। सुमित्रनन्दन पन्त केवल एक कवि नहीं थे, वे एक युगदृष्टा थे, जिनकी सम्वेदना आज भी कौसानी की हवाओं में जीवित है। उनका अपमान केवल एक व्यक्ति का नहीं बल्कि पूरी सांस्कृतिक चेतना का अपमान है।

कौसानी, जहाँ सूरज की पहली किरण हिमालय की चोटियों पर पड़ती है, वहीं कहीं कोने में शराब की अवैध नदी भी बहती है और हाँ ये नदी बिना बारिश के भी कभी सूखती नहीं है।

माना जाता है कि यहाँ की जलवायु अवैध शराब बेचने के लिए बहुत अनुकूल है। पर असली कमाल तो उस छाया का है जो इसे संरक्षण देती है। अब वो छाया कौन है, कोई पेड़ नहीं। साहब..... वो तो कुछ छायादार नीति नियन्ता वाले बड़े लोग हुए।

पुलिस का जबाव यहाँ सब ठीक है। प्रशासन से पूछो तो जबाव मिलेगा, जाँच करेंगे।

जनप्रतिनिधि से पूछो तो वो कहेंगे- हमें विश्वास है कि सब ठीक चल रहा है। और शराब माफिया से पूछो तो..... वो तो कहेगा- हमारे ग्राहक सन्तुष्ट हैं, धन्यवाद।

लोग कहते हैं कौसानी स्वर्ग है। हाँ, बस यहाँ देवता की जगह शराब ने लेनी शुरू कर दी है। अब कोई शिकायत करे तो वही पुरानी बात 'शराब पीना अपराध नहीं' अवैध बेचना अपराध है। और वो तो.....'ऊपर वाले देख ही लेंगे..... अफसोस....! नीति.नियन्ताओं के कानों में सिर्फ शराब समर्थक और शराबियों की मधुर आवाजें ही गूंजायमान हो रही हैं। जनता की आवाजें तो हमेशा से ही नक्कारखाने में तूती की आवाज की तरह ही हुई जो कभी भी नीति नियन्ताओं के कानों तक पहुँच ही नही पाती हैं। वैसे भी उन्हें ये बेसूरे राग तो बिल्कुल भी पसन्द नही हुए।

ऑनलाइन हाउस टैक्स की सुविधा

हल्द्वानी। नगर निगम की घर बैठे ऑनलाइन टैक्स जमा करने की सुविधा शुरू हो चुकी हे। इस वित्तीय वर्ष से करदाता कर निर्धारण के साथ ही टैक्स भी ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। नगर आयुक्त ने बताया कि निगम ने बैंक ऑफ बड़ौदा के साथ एमओयू किया था इसके अन्तर्गत बैंक नगर निगम को एक सॉफ्टवेयर बनाकर देगा जिससे भवन स्वामी ऑनलाइन टैक्स जमा कर सकेंगे।

सुल्तानपुर पट्टी का नाम बदलने का विरोध

बाजपुर। सुल्तानपुर पट्टी का नाम बदलकर कौशल्यापुरी किए जाने का विरोध लगातार हो रहा है। नगर में जबर्दस्त रैली निकाल कर लोगों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। यह रैली महिला विकास समिति की अध्यक्ष लज्जा सैनी के नेतृत्व में आयोजित की गई, जिसकी शुरुआत नगर के मनोकामना शिव मन्दिर से हुई।

रैली होली चौक, मुख्य बाजार और बुधबाजार चौराहे से होती हुई नगर पंचायत कार्यालय तक पहुंची। नगर पंचायत कार्यालय पर महिला विकास समिति की अध्यक्ष लज्जा सैनी ने अन्य प्रतिनिधियों के साथ मिलकर अधिशासी अधिकारी को जिलाधिकारी के नाम सम्बोधित ज्ञापन सौंपा। जिसमें नगर का नाम न बदले जाने की मांग की गई है। वक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने जनता की बात को अनसुना किया तो एक नगर पंचायत कार्यालय पर आमरण अनशन शुरू किया जायेगा। रैली में नगर कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष सुरेश कुमार गुप्ता, चन्द्र प्रकाश सैनी, भज्जन लाल मौर्य, हदप्यारी, उषा, राजपाल मौर्य, विनीता, दानवती, रूपकिशोरी आदि थे।

मोहम्मदपुर भुड़िया का नाम शहीद वीरेन्द्र नगर

खटीमा। सीएम पुष्कर सिंह धामी पे खटीमा के मोहम्मदपुर भुड़िया का नाम पुलवामा शहीद वीरेन्द्र सिंह राणा के नाम पर शहीद वीरेन्द्र नगर और नानकमत्ता के मोहम्मद गंज का नाम गुरु गोविन्द सिंह जी के नाम पर करने की घोषणा की। सीएम सेवा संकल्प धारिणी फाउंडेशन की ओर से पिता स्व. शेर सिंह धामी की पांचवी पुण्यतिथि पर आयोजित शहीद सैनिक सम्मान समारोह में शामिल होने आए थे।

कैंसर से लड़ने में कारगर हैं हिमालयी लाइकेन

नैनीताल। हिमालयी क्षेत्र में मिलने वाले कई लाइकेन (कवक और शैवाल का मिश्रण) कैंसर से लड़ने में कारगर हैं। कुविवि के रसायन विज्ञान और बायोटेक्नोलॉजी विभाग के असि.प्रोफेसर पैनी जोश और डॉ.सन्तोष उपाध्याय के शोध में इस बात को कहा गया है।

पूर्णागिरी मेले में श्रद्धालुओं का तांता

टनकपुर। सुप्रसिद्ध माँ पूर्णागिरी मेले में श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है। मेले में अधिकांश श्रद्धालु यूपी के विभिन्न स्थानों से आ रहे हैं। साथ ही महेन्द्र नगर व ब्रह्मदेव मण्डी स्थित सिद्धनाथ मन्दिर में भी यात्रियों की भीड़ बनी हुई है। रेलवे विभाग द्वारा भी नियमित ट्रेन सेवाके अलावा तीन स्पेशल पूर्णागिरी मेला रेल सेवा संचालित की गई हैं। जिससे यात्रियों को काफी राहत मिली है।

Enjoy Beauty of
Himalaya at
MARTOLIA LODGE
Family Guest House- Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

घर से बाहर अपनों का साथ
होटल लक्ष्य इन
मदकोट
सम्पर्क
नरेन्द्र सिंह रावत
7351285555

कपूर एण्ड संस
संजय कलोनी, मुखानी हल्द्वानी
कपूर इण्टरप्राईजेज
निकट मंगलम बैंकट हॉल, देवलचौड़
रामपुर रोड, कैंची धाम मार्ग हल्द्वानी
9997712279 9837824462

जंगपांगी जनरल स्टोर
मदकोट रोड,
दरांती मनुस्यारी
(सीमेन्ट, पेण्ट, हार्डवेयर सामग्री के लिये सुलभ स्थान)
मो.- 9760342346

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर
मो.न.
8958525979,
9411134775
नानासेम, मुनस्यारी
फोन सम्पर्क-
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स 05961-222236
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

आशुतोष नेगी-आशीष नेगी को लेकर आन्दोलनों के फर्राटे

उत्तराखण्ड क्रान्तिदल में युवा करंट

सीएम से सीधे सवाल

शिक्षा मंत्री पर बरस रहे हैं

विधायक उनियाल पर गुस्सा

स्पीकर खण्डूरी पर भी बरस रहे

क्षेत्रीय पार्टी- उत्तराखण्ड क्रान्तिदल में युवा करंट दौड़ने से सबका ध्यान इस ओर है। इन दिनों में लगातार आन्दोलन को धार दे रहे लोगों में चर्चा भी बेसुमार है कि बिखर रहे उक्रांद संगठन में अब जान आ चुकी है। राष्ट्रीय पार्टियों की रीति नीति को देखने-सुनने के बाद खासे लोगों का रुख तीसरे मोर्चे की ओर हुआ है। हालांकि पृथक से भी अपना रास्ता बनाते युवा नेता दिखाई दे रहे हैं लेकिन उक्रांद पार्टी होने के कारण इसे पर्वतीय भावनाओं की पार्टी के रूप में मान्यता है। दल के शीर्ष नेताओं का पहले से ही कहना है कि सत्ताओं ने पर्वतीय राज्य की अवधारणा को ध्वस्त कर दिया है। और अब युवा नेताओं के तेवरों के साथ भारी संख्या में लोग आन्दोलन के बहाने जुड़ चुके हैं। गढ़वाल में आशुतोष नेगी आशीष नेगी के तेवर के बाद आन्दोलन के फर्राटे देखने को मिले हैं। निवर्तमान मंत्री प्रेमचन्द अग्रवाल के बयान के बाद फूटा गुस्सा अगल-अलग तरीके से सड़कों पर दिखाई दे रहा है। इसके बाद बिरजू मयाल नामक युवा ने जिस प्रकार से नेताओं को सोशल मीडिया में उधेड़ना शुरू किया और वह समझ-नासमझ सब करने लगे उसमें भी सबका ध्यान गया। अंकिता भण्डारी हत्याकाण्ड के सवाल को लेकर पहले से सुलगे लोग फिर से गुस्से में हैं। इस बीच नेगी बन्धुओं ने भुगतान न करने पर कारोबारी से कर्मचारियों को भुगतान करवाया जो सोशल मीडिया में चर्चा में रहा है। कहा जा रहा है कि इसके बाद इस मामले को गुण्डागर्दी व रंगदारी के रूप में दिखाकर पुलिस सक्रिय हो गई। बस फिर क्या था पहाड़ में उबाल आ गया। दूसरी ओर देहरादून गांधी पार्क के बाहर सुराज सेवा दल ने धरना प्रदर्शन करते हुए भाजपा कांग्रेस पर प्रदेश को खोखला करने की बात करते हुए कहा कि तमाम नेता मंत्री और अधिकारी डराने का काम कर रहे हैं। आम जनता को उनके अधिकारों से वंचित किया जा रहा है। महंगाई, भ्रष्टाचार के खिलाफ आन्दोलन हो रह हैं, उसे कुचलने के लिये पुलिस को आगे किया जा रहा है। उक्रांद ने देहरादून, पौड़ी, गैरसैंण, ऋषिकेश, हल्द्वानी जगह जगह विशाल प्रदर्शन किये हैं। सीएम पुष्कर सिंह धामी के कदम को जन विरोधी बताते हुए सीधे सवाल करने शुरू कर दिये हैं। यूकेडी नेताओं ने कहा कि सीएम के इशारे पर प्रशासन को मनमानी के लिये मजबूर कर दिया है। शिक्षा मंत्री धन सिंह पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए जबर्दस्त प्रदर्शन हुआ है। नरेन्द्रनगर विधायक सुबोध उनियाल के खिलाफ उनके विधानसभा क्षेत्र में जबर्दस्त प्रदर्शन हुआ है। विधायक की गुमशुदा के पोस्टर लेकर क्षेत्रवासियों ने उनपर तमाम आरोप लगाए। स्पीकर ऋतु खण्डूरी पर भी आन्दोलनकारी बरस रहे हैं। कुल जमा आन्दोलनों की बरसात ने क्षेत्रीय दल को हरा कर दिया है।

'सिद्धार्थी' नाम नवम्वत्सर,
विक्रमी 2082
की हार्दिक शुभकानाओं
के साथ-
फकीर राम ग्वासाकोटी
पूर्व रेंजर
कुन्ती भवन, टकाना रोड,
पिथौरागढ़

श्रीमती दमयन्ती जंगपांगी
सुरभि कालौनी, फैस-2
मल्ली बमोरी, हल्द्वानी

लक्ष्मण सिंह मर्तोलिया
वन क्षेत्राधिकारी,
गोविन्दपुरम् हरिनगर
(निकट- दिप्ती पब्लिक स्कूल)
कुसुमखेड़ा,
हल्द्वानी

न तेरा न मेरा Thats
APNA GHAR चौकोड़ी
HOTEL RESTRO BANQUET
मो.- 9458920379, 6396098804
YOGA MEDITATION | LIVE MUSIC | HOMELY FOOD | BIRTHDAY WEDDING
Near by- (माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)
पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

Hotel Bala Paradise
Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

Hayat Paradise
Bus Station
Munsiari
Ph. 09411556700, 9997733070

धमोत होम स्टे
धरमघर/चकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग, माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
www.mountainheights.in
मो. 9760007148

Enjoy Beauty of
Himalaya at
MARTOLIA LODGE
Family Guest House-
Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From
Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/मोबाइल 9458961490, 9411770280, 9411301014,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)